S-260 Roll No. ……..

CAM–04

मसाज

Certificate in Ayurvedic Masseur (CAM-16/17) Examination, 2018

Time : 3 Hours **Max. Marks : 40**

नोट : यह प्रश्न पत्र चालीस (40) अंकों का है जो तीन (03) खण्डों 'क', 'ख' तथा 'ग' में विभाजित है। शिक्षार्थियों को इन खण्डों में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में चार (04) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए साढ़े नौ ($9\frac{1}{2}$) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. अभ्यंग क्या है, बताते हुए इसके सिद्धान्त एवं उपयोग का वर्णन कीजिए।
2. मर्मों का विस्तृत वर्णन कीजिए।
3. चिकित्सा का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।
4. अष्ट आहार विधि विशेषायतन को समझाते हुए पाचकाग्नि पर एक लेख लिखिए।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए चार (04) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. रोगों के प्रवेश मार्गों का वर्णन कीजिए।
2. आहार पाक क्रम का वर्णन कीजिए।
3. शोधन चिकित्सा का वर्णन कीजिए।
4. अभ्यंग के योग्य-अयोग्य बताइए।
5. बाह्य स्नेहन का वर्णन कीजिए।
6. सक्थि मर्मों का वर्णन कीजिए।
7. गुणानुसार आहार द्रव्यों का वर्णन कीजिए।
8. अग्नि प्रकारों का वर्णन कीजिए।

खण्ड–ग

(वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ग' में दस (10) वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए आधा $\left(\frac{1}{2}\right)$ अंक निर्धारित है। इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

सही उत्तर चुनिए :

1. सुख विरेचन द्रव्य है :
   (अ) आरग्वध

(ब) स्नुही क्षीर

(स) हरितकी

(द) इनमें से कोई नहीं

2. कटि वस्ति में प्रयोग करते हैं :

(अ) भाष कल्क

(ब) मूँग कल्क

(स) तिल कल्क

(द) उपर्युक्त सभी

3. पृष्ठ मर्म होते हैं :

(अ) 12

(ब) 16

(स) 18

(द) उपर्युक्त में से कोई नहीं

4. विषमाग्नि का कारण है :

(अ) वात

(ब) पित्त

(स) कफ

(द) सत्व

5. करण है :

(अ) संस्कार

(ब) प्रकृति

(स) विकृति

(द) हृदय

सत्य/असत्य छाँटिये :

6. दोषानुसार अग्नि के चार भेद हैं। (सत्य/असत्य)
7. प्रकृति संस्कार है। (सत्य/असत्य)
8. काल के तीन प्रकार हैं। (सत्य/असत्य)
9. रोग के तीन प्रवेश मार्ग हैं। (सत्य/असत्य)
10. आत्रेय सम्प्रदाय रसविपाकवादी है। (सत्य/असत्य)